महर्षि पतञ्जलि संस्कृत संस्थान द्वारा विहित नवीन पाठ्यक्रम अनुसार
ब्लूप्रिंट

कक्षा – उत्तरमध्यमा प्रथम (11वी) **पूर्णांक– 100**

विषय–वास्तुविज्ञानम् **विषय कोड– 1120** **समय– 3:00 घंटे**

क्र.	इकाई एवं विषयवस्तु **भाग–1** (50 अंक) **1.रेखागणितम्– प्रथमोऽध्यायः, द्वितीयोऽध्यायः** **2.लीलावती** (चतुर्भुजतः फलानयनपर्यन्तम्) **भाग–2 मयमतम्** (50 अंक) (1 तः 10 अध्यायाः)	इकाई वार आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल प्रश्न
			1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	5 अंक	
1	**भाग – 1. रेखागणितम्–** प्रथमोऽध्यायः	**15**	04	02	01	01	–	**04**
2	द्वितीयोऽध्यायः	**15**	04	02	01	01	–	**04**
3	**2.लीलावती** (चतुर्भुज–त्रिभुज–समचतुर्भुज–विषमचतुर्भुज–वृत्त –गोल–समभुजत्रिभज – समद्विवाहुत्रिभुज–समकोणत्रिभुज–वर्गक्षेत्र – समानान्तर – चतुर्भज–समलम्बचतुर्भजानां फलानयनम्)	**20**	06	01	01	01	01	**04**
4	**भाग – 2 मयमतम्** **प्रथमोऽध्यायः** (संग्रहाध्यायः) मङ्गलाचरणम्, ग्रन्थविषयसूचना, ग्रन्थप्रामाण्यकथनम् **द्वितीयोऽध्यायः** (वस्तुप्रकारः)वस्तुभेदाः, भूमिभेदाः, भूप्राधान्ये हेतुः, वर्णानुरूपा भूमिः **तृतीयोऽध्यायः** (भूपरीक्षा) अनिन्द्या भूः,निन्द्या भूः,सर्वोत्कृष्टा भूः **चतुर्थोऽध्यायः** (भूपरिग्रहः) भूग्रहणे कर्त्तव्यानि, उत्तमादिभूलक्षणम् **पञ्चमोऽध्यायः** (मानोपकरणम्) शिल्पिलक्षणम्, स्थपतिः, सूचग्राही, तक्षकः,वर्धकिः	**15**	04	02	01	01	–	**04**
5	**षष्ठोऽध्यायः** (दिक्परिच्छेदः) शंकुलक्षणम्, अपच्छाया, रज्जुलक्षणम् खातशंकुलक्षणम्, सूत्रविन्यासम्, पुनरपच्छाया **सप्तमोऽध्यायः** (पदविन्यासः) द्वत्रिंशत् पदानि, सकलम्, पेचकम्, पीठम्, महापीठम्, उपपीठादि, दैवतस्थानानि, मण्डूकपदम्, वास्तुपुरूषविधानम्, पुनर्मण्डूकपदम्, परमशायिपदम्	**10**	05	01	01	–	–	**02**
6	**अष्टोऽध्यायः** (बलिकर्म) आहत्यबलिः, साधारणबलिः, पुनर्मानोपकरणम्, ग्रामादिमानम्, आयादि, विप्रसंख्या, ग्रामनामानि, वीथिविधानम्,ग्रामभेदाः, द्वाराणि, प्रासादस्थानम्, दौवारिकाः,वर्ज्यस्थानानि, श्रेणिस्थानम्, गृहलक्षणम्, विन्यासदोषाः, गर्भविन्यासः	**10**	05	01	01	–	–	**02**
7	**नवमोऽध्यायः** (ग्रामविन्यासः) पुनर्मानोपकरणम्, ग्रामादिमानम्, आयादि, विप्रसंख्या, ग्रामनामानि,वीथिविधानम्, ग्रामभेदाः, द्वाराणि, प्रासादस्थानम्,दौवारिकाः, वर्ज्यस्थानानि, श्रेणिस्थानम्,गृहलक्षणम्, विन्यासदोषाः,गर्भविन्यासः, **दशमोऽध्यायः** (नगरविज्ञानम्) नगरमानम्, वप्रविधानम्, वर्ज्यस्थानानि, मार्गाः,राजधानी, खेटादिभेदाः, दुर्गाणि , नगरविन्यासः, अन्तरापणम्	**15**	04	01	–	01	01	**03**
		कुल प्रश्न	**05**	**10**	**06**	**05**	**02**	**23+05 = 28**
		कुल प्रश्न	**32**	**20**	**18**	**20**	**10**	**100**

प्रश्न पत्र निर्माण हेतु निर्देश :–

1. प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसमें बहुविकल्पीय 06 अंक, रिक्तस्थान 06 अंक, सही जोड़ी 06 अंक, सत्य–असत्य 07 अंक, एकपद 07 अंक, संबंधी प्रश्न होगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुत्तरीय 02 अंक के प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछे जाने है।
3. 03 अंक, 04 अंक एवं 05 अंकीय, लघुत्तरीय, दीर्घोत्तरीय तथा विश्लेषणात्मक प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का प्रावधान होगा। यह विकल्प समान इकाई तथा समान कठिनाई स्तर वाले होगें।
4. इन प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी।

- अतिलघुत्तरीय प्रश्न 02 अंक लगभग 20 शब्द
- लघुत्तरीय प्रश्न 03 अंक लगभग 40 शब्द
- दीर्घोत्तरीय प्रश्न 04 अंक लगभग 80 शब्द
- विश्लेषणात्मक 05 अंक लगभग 120 शब्द
- विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का कौशल व कठिनाई स्तर निम्नानुसार रहेगाः–

कौशल–	ज्ञान / स्मरण–10%	समझ आधारित–50%	अनुप्रयोग–30%	उच्च स्तरीय चिंतन / विश्लेषणात्मक 30%
स्तर–	सरल –30%	औसत – 50%	कठिन –20%	